

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME**

**Term-End Examination**

**June, 2011**

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY**

**BPY-003 : ANCIENT AND MEDIEVAL WESTERN  
PHILOSOPHY**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

- Note :** (i) *Answer all five questions.*  
(ii) *All questions carry equal marks.*  
(iii) *Answers to question 1 and 2 should be in about 400 words each.*

1. Explain the scope and importance of Philosophy. 20

**OR**

Briefly explain the life of Aristotle and his contribution to various branches of philosophy. 20

2. Explain Augustines views on God, World and Evil. 20

**OR**

What are the different philosophical methods used in the west ? Discuss. 20

3. Answer *any two* of the following in about 200 words each :
- (a) What is Metaphysics and why is it called the foundational science of all other sciences ? 10
  - (b) Briefly explain the philosophy of Heraclitus. 10
  - (c) Describe the five proofs proposed by Thomas Aquinas for the existence of God. 10
  - (d) What are the main characteristics of Jewish philosophy ? 10
4. Answer *any four* of the following in about 150 words each :
- (a) What is Okham's razor ? 5
  - (b) What do you understand by Rationalism ? 5
  - (c) Explain the mid wifery method taught by Socrates. 5
  - (d) What is the pythagorian concept of soul ? 5
  - (e) Explain Act and Potency. 5
  - (f) What is Agnosticism ? 5

5. Write short notes on *any five* of the following in about **100** words each :

- |                    |   |
|--------------------|---|
| (a) Materialism    | 4 |
| (b) Rhetoric       | 4 |
| (c) Virtue         | 4 |
| (d) Ethics         | 4 |
| (e) Evil           | 4 |
| (f) Deconstruction | 4 |
| (g) Objectivity    | 4 |
| (h) Contingency    | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम ( बी.डी.पी. )

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.-003 : प्राचीन एवं मध्यकालीन पाश्चात्य दर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

- 
1. दर्शन शास्त्र के महत्त्व एवं विषयक्षेत्र पर विस्तृत रूप से प्रकाश 20  
डालिये।

अथवा

अरस्तू के जीवन और दर्शनशास्त्र की विभिन्न शाखाओं उनके 20  
योगदान को स्पष्ट कीजिए।

2. अगस्टीन के ईश्वर, जगत और अशुभ के विचार को विस्तार से 20  
समझाइये।

अथवा

पाश्चात्य दर्शन की विभिन्न दार्शनिक विधियों का उल्लेख 20  
कीजिए।

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

- (a) तत्त्व मीमांसा क्या है? इसे विज्ञानों का विज्ञान क्यों कहा जाता है? 10
- (b) हेराक्लिटस के दर्शन को संक्षेप में समझाइये। 10
- (c) टॉमस अक्विनस के ईश्वर के अस्तित्व की सिद्धि में प्रस्तुत पाँच प्रमाणों को समझाइये। 10
- (d) यहूदी दर्शन की मुख्य विशेषताएँ कौन सी हैं? बताइये। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

- (a) 'ऑखम रेजर' को समझाइये। 5
- (b) बुद्धिवाद से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट करिये। 5
- (c) सुकरात की धातृ-विधि (mid - wifery method) को समझाइये। 5
- (d) पाइथागोरस के आत्मा के सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए। 5
- (e) वास्तविकता एवं सम्भाव्यता की व्याख्या कीजिए। 5
- (f) अज्ञेयवाद क्या है? स्पष्ट कीजिए। 5

5. किन्हीं पाँच पर (प्रत्येक) 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

- |                                 |   |
|---------------------------------|---|
| (a) भौतिकवाद                    | 4 |
| (b) व्याख्यान शास्त्र (रीटोरिक) | 4 |
| (c) सद्गुण                      | 4 |
| (d) नीतिशास्त्र                 | 4 |
| (e) अशुभ                        | 4 |
| (f) विखण्डनवाद (Deconstruction) | 4 |
| (g) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)  | 4 |
| (h) आपातित (Contingency)        | 4 |
-